



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 113]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 11, 1977/आषाढ़ 20, 1899

No. 113]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 11, 1977 ASADHA 20, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Textiles)

ORDER

New Delhi, the 11th July 1977

No. 9/77—Jute —It has been decided to reconstitute with immediate effect, the Export Contracts Registration Committee for the purpose of voluntary registration of sales contracts for the export of jute manufactures. The registration scheme is voluntary and can be taken advantage of by the shippers who wish to register their contracts with a view to avoiding inconvenience at the time of shipping due to their contract being questioned.

2. The Composition of the reconstituted Committee will be as under—

1. Jute Commissioner " " " " Chairman
2. A representative of the Reserve Bank of India " " " Member
3. The Collector of Customs or his nominee " " " Member
4. Deputy Jute Commissioner " " " " Member-Secretary

3. In scrutinising the contracts, the Committee will have due regard to the ruling prices at the time of contract, the normal recognised trade practices in regard to allowable varieties from such prices, extensions of contracts, premium and penalties for optional specification, rebate and trade discounts.

4 The Committee will, if it is satisfied that the terms of the contract are acceptable, issue a registration certificate within seven clear working days from the date of filing of the application for registration. If the Committee is not satisfied with any detail furnished in regard to the sale contracts it will be open to it to call for any further information that may be considered necessary from the parties and thereafter to issue the registration certificate. If the Committee is not satisfied that the contract is in accordance with the trade practice and the ruling prices, it shall decline to issue the certificate. The production of the registration certificate before the Customs authorities at the time of shipment as part of the shipping documents will ordinarily be accepted by the Customs authorities as constituting sufficient proof of the scope of contract prices and related financial items.

5 All information furnished to the Committee in regard to the registration of the contracts will be treated as confidential.

P. P. SINGLA,

Officer on Special Duty (Joint Secretary).

### बाणिज्य मंत्रालय

#### (वस्त्र विभाग)

आवेष्टा

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1977

सं० 9/7/77-पटसन.—पटसन निमित्त माल के निर्यात में सम्बन्धित बिक्री सविदाओं के स्वैच्छिक पंजीकरण के प्रयोजन के लिये निर्यात सविदा पंजीकरण समिति का तत्काल प्रभाव से गठन करने का विनिश्चय किया गया है। पंजीकरण योजना स्वैच्छिक है और ऐसे शिपर्स उससे लाभ उठा सकते हैं जो शिपिंग के समय उनकी सविदा को चुनौती दिये जाने के कारण होने वाली असुविधा में बचने के लिये अपनी सविदाओं का पंजीकरण कराना चाहते हैं।

#### 2. पुनर्गठित समिति का गठन निम्नोक्त होगा

1. पटसन आयुक्त	अध्यक्ष
2. भारतीय रिजर्व बैंक का एक प्रतिनिधि	सदस्य
3. सीमा शुल्क समाहर्ता या उसका नामित	सदस्य
4. पटसन उप-आयुक्त	सदस्य सचिव

3. सविदाओं की समीक्षा करते समय समिति सविदा के वक्त चल रही कीमतों से अनुमेय किस्मों के सम्बन्ध में मान्यता प्राप्त सामान्य व्यापार प्रथाओं, सविदाओं की कालावधि बढ़ाने, वैकल्पिक विशिष्टियों के लिये बढ़ती तथा शास्तियों, छूट तथा व्यापारिक बट्टों आदि का यथोचित ध्यान रखेगी।

4. यदि समिति का यह समाधान हो जाता है कि सविदा की शर्तें स्वीकार्य हैं तो वह पंजीकरण के लिये आवेदन दर्ज कराने की तारीख से सात स्पष्ट कार्य दिवसों के अन्दर पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी कर देगी। यदि बिक्री सविदाओं के सम्बन्ध में प्रस्तुत किये गये किसी व्यूरे से इस समिति का समाधान नहीं होता तो उसे अधिकार होगा कि वह पार्टियों से ऐसा कोई अतिरिक्त जानकारी मागे, जो जरूरी समझी जाये, और उसके बाद पंजीकरण प्रमाण पत्र दे। अगर इस समिति का यह समाधान नहीं होता कि यह सविदा व्यापार प्रथा और प्रचलित कीमतों

के अनुसार है तो वह प्रमाणपत्र देने से इकार कर देगी। लदान के समय शिपिंग दस्तावेजों के अग के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किये जाने पर सामान्यतः सीमा शुल्क प्राधिकारी उसे सविदागत कीमतों तथा सम्बन्धित वित्तीय मदों के विस्तार के पर्याप्त प्रमाण के रूप में स्वीकार कर लेंगे।

5 सविदाओं के पंजीकरण के सम्बन्ध में समिति को दी गई जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

पी० पी० शिगला

विशेष कार्य अधिकारी (संयुक्त सचिव)।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मूद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,  
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

